

सफ़ा मा

६. ॐ नमो श्रीवज्रसत्वाय ॥ काङ्क्षयाविधिः प्रयुजा कंठद्राय
॥ ॐ नमो श्रीयोगेश्वराय ॥ युथमस्तु दयाग्रीवतु वदु वि
हात्रना ॥ हाव्य ॥ ॐ स्वहा वसुधा सर्वधर्मा स्वहाव ॥ विनायमान
धरामा ॥ पुनानव्यज्जनाधजा ॥ वज्रहाकासिकाकुत विनायनवयु
नक्रिका ॥ नृत्यारुसिना ॥ सिंगुनाधनायनका ॥ करूनसना
सुगाना ॥ तिलुजाधमदसा ॥ ॐ जाकरवने ॥ वृजो कसज ॥ ॐ

वजयासद ॥ वज्रहात ॥ वजोवसद ॥ ॐ जा ४ युदवनसुहाकात्रा
य ॥ श्रीयोगेश्वराय ॥ तनालकाय ॥ सगनयत्रियात्राय ॥ युद्धनय
निद्रुस्वाहा ॥ ० ॥ ॐ नमो श्रीयोगेश्वराय स्वाहा ॥ ॐ नमो न्याकिनी
य स्वाहा ॥ ॐ श्रीजक्षत्याय नमस्वाहा ॥ ॐ श्रीवज्रजकिनिय स्वाहा ॥
॥ ॐ श्रीदयालजकिनिय स्वाहा ॥ ॐ श्रीवज्रजकिनिय स्वाहा ॥ ॐ श्रीद्व
जलजकिनिय स्वाहा ॥ ॐ श्रीसिद्धिंय स्वाहा ॥ ॐ श्रीवायिनिय

स्वाहा ॥ ॐ म्हाँ ऊँ वा कि निय स्वाहा ॥ ॐ म्हाँ उँ वा कि निय स्वाहा ॥ ४
॥ ॐ रं ऊँ कि निय स्वाहा ॥ ४ ॐ रं दि वि निय स्वाहा ॥ ॐ रं स्कं ऊँ ला
कि निय स्वाहा ॥ ४ ॐ ऊँ क म्हाँ जि निय स्वाहा ४ ॐ रं रं ऊँ य क
सि रं रं स्वाहा ॥ ॐ उँ म्हाँ दि य स्वाहा ॥ ॐ वा म्हाँ दि य स्वाहा ४ ॥
ॐ यि य न द्या त्रि रं स्वाहा ४ ॥ ॐ क रं क ल ॥ ॐ न रं स्वाहा ॥ ॐ त्रि
रं स्वाहा ॥ ॐ वृ म्हाँ क रं रं स्वाहा ४ ॐ वृ तु लि १ क या त्रि रं स्वा
हा ४ ॥ ॐ वृ जि रं स्वाहा ॥ ॐ क रं रं स्वाहा ॥ ॐ ना म्हाँ रं स्वाहा

॥ ॐ वि न रं रं स्वाहा ४ ॥ ॐ ग क रं स्वाहा ॥ ॐ न क रं स्वाहा ॥
सू रं ध रं ॥ सू या म्हाँ रं स्वाहा ॥ धू या य स्वाहा ४ ॥ दि या य स्वाहा ४
क रं लू डाय स्वाहा ४ म हा नू डाय स्वाहा ॥ ॐ द व लू डाय स्वाहा ४ ॥
क रं नू डाय स्वाहा ४ ॥ वि रं कि ॥ न दा दि ॥ वि ना य क ॥ वा म्हाँ दि
॥ द्या त्रि वि रं कि ॥ ॐ मा द वि ज रं रं व ॥ ० ॥ यं वा य रं ॥ यं जा
॥ तु नि ॥ ॐ न मा सु जा ग धि य ॥ स स्वा मा व क ॥ ॥ न मा नु स
वा स ॥ ज न क रं व रं ॥ न मा सु रं सा ना न व मा ॥ हा क रं रं ॥ न

भास्करनक्तकमामिसन्धा ॥ यागर्गम्वर्त्त ॥ ॐ ॥ दधूस ॥ ० ॥
याद्यादियूष्यन्यास ॥ ० ॥ ॐ काधरेत्रवायनमस्वाहा ॥ ॐ स्या
मवनायनमस्वाहा ॥ दमलूपायनधनायनमस्वाहा ॥ ० ॥ ॐ कामा
लियनमस्वाहा ॥ ॐ रुद्रकामानियनमस्वाहा ॥ ॐ चक्रामानिल
यिनियनमस्वाहा ॥ ॐ खयालनागनायनमस्वाहा ॥ ॐ जंगलय
जनमस्वाहा ॥ ० ॥ धूय ॥ जंगुनि ॥ ० ॥ यवयहायुजातुनि ॥ ० ॥

ॐ कामानिलकवनाहा ॥ चक्रविजयैवा ॥ स्वायुष्यविदयानं च
नमनक्तमयुत्रवाहनि ॥ ॐ ॥ वरुनयाग ॥ धूय जाय ॥ धूय ग ॥ श्री
॥ याद्यादि ॥ ० ॥ ॐ वरुननागनाजायानमस्वाहा ॥ स्वरुवनायनमस्वा
हा ॥ वरुननागनाजायुर्दस्वाहा ॥ ० ॥ बुक्रायनियान ॥ धूय ॥ धू
यास ॥ याद्यादि ॥ ० ॥ ॐ जूभिर्गागरेत्रवायनमस्वाहा ॥ ॐ कृष्ण
नूयनमस्वाहा ॥ दमलूपायनधनायनमस्वाहा ॥ ० ॥ बुक्रायनि

नमस्कारा ॥ ^न उँ हृदय कायनिमस्कारा ॥ वृक्षसुस्तिनमस्कारा ॥
हं अवारुनियनमस्कारा ॥ वाञ्छुकिनागनाजायनमस्कारा ॥ आदिगव
लपूजयत ॥ ० ॥ यं वयरायूजा ॥ तुति ॥ ० ॥ वृक्षायनिधित्वना
ला ॥ जकारविजर्हवा ॥ स्वायूषाविद्वानं व नमनहंसवाहनि ॥
॥ ॥ धनमारुषत्रियात ॥ धूप ॥ नकि ॥ याद्यादि ॥ ० ॥ उँ वंदुहेन
वायनमस्कारा ॥ उँ नकुवनायनमस्कारा ॥ इमन्वयानधनायनमस्कारा

हा ॥ ० ॥ उँ मारुषत्रियनमस्कारा ॥ उँ हृदय कायनियुनमस्कारा
॥ उँ दिव्यरूपिनिनमस्कारा ॥ नृन्मजकतिनमस्कारा ॥ उँ नरुननाग
लाजायनमस्कारा ॥ समवातदिनयूजय ॥ ० ॥ यं वयरायूजातुति ॥
॥ ० ॥ उँ मारुषत्रियनवर्ष्मला ॥ नकारविजर्हवा ॥ स्वायूषावृद्ध्या
नं वनमस्तु ॥ विषवाहनि ॥ ३ ॥ मारुषत्रियात ॥ धूप ॥ कद्वत ॥
॥ ० ॥ याद्यादि ॥ ० ॥ य प्रर्प्यवंदुहेनवानमस्तु ॥ यित्वनुमस्तु
॥ हा ॥

ॐ उमद्रयाग्रधराय नमः स्वाहा ॥ ॐ महात्रस्त्रिनमः स्वाहा ॥ ॐ ईदृढमाहा
लस्त्रिनमः स्वाहा ॥ ॐ यदिकाय नमः स्वाहा ॥ माहायुर्धनागगाजान
मः स्वाहा ॥ सपुनरात्रदिनयुज्यत ॥ यंवयुहानयुजा ॥ तुति ॥ ० ॥
ॐ महात्रस्त्रि ॥ ० ॥ सानसंकात्रविजसंत्वा ॥ स्वायुष्माविद्यार्नवन
संक्रुसिद्वारुनि ॥ ५ ॥ युद्धादि ॥ ० ॥ ॐ वज्रमहात्र ॥ हेलवाय
॥ महाकात्राय ॥ कंकाकं ॥ वनमाहाकात्राय ॥ वज्रयुष्मियुनियकुखा
हा ॥ ॐ नमः शुभमाहाकात्राय ॥ कृष्णवर्णसमायुध ॥ माहाकार्त्तनमा

मिहं ॥ ० ॥ द्वापयनयान ॥ धूप ॥ द्युगुनि ॥ ० ॥ याद्यादि ॥ ॐ
नवनीयनमस्वाहा ॥ स्वरुधनीयनमस्वाहा ॥ स्वरुनंयुनीयनमस्वाहा
॥ यं वयुहात्रयुजाःतुनि ॥ ० ॥ ॐ नमो ह्यनयाय ॥ स्वरुवल्लीय ॥
हृन्वालेनमामुक्त ॥ ० ॥ हिंदिनियान ॥ धूप ॥ द्युगुनि ॥ याद्यादि
॥ ० ॥ ॐ हिंदिनियनमस्वाहा ॥ ॐ स्वरुवनीयनमस्वाहा ॥ ॐ स्वरुपू
र्यनमस्वाहा ॥ ० ॥ द्युक्त वातनतुनि ॥ ० ॥ ॐ नमो ह्यनयाय ॥
स्वरुवननमामिहं ॥ ० ॥ धनहनयानयान ॥ धूप ॥ गुगुनि ॥ ० ॥

ॐ कृतयात्राय नमः स्वाहा ॥ ॐ सुकृत्याय नमः स्वाहा ॥ तुष्टि ॥
ॐ नमः स्वतन्त्राय ॥ कृतयात्राय नमः मिह ॥ ० ॥ ~~ॐ सुकृत्याय नमः स्वाहा~~ ॥ थनित्वस
॥ ~~ॐ सुकृत्याय नमः स्वाहा~~ ॥ थनित्वस ॥ कृतयात्राय नमः स्वाहा ॥ धूप ॥ उत्तरदा ॥ ० ॥
याद्यादि ॥ ॐ कृतयात्राय नमः स्वाहा ॥ कृतयात्राय नमः स्वाहा
॥ ॐ कृतयात्राय नमः स्वाहा ॥ ० ॥ यंत्राय नमः स्वाहा ॥ ॐ ॥
थनित्वस ॥ धूप ॥ कृतयात्राय नमः स्वाहा ॥ ० ॥ याद्यादि ॥ ४ ॐ ध्यान

२५५
वन्द्य हेतुवानमः स्वाहा ॥ ॐ ध्यानित्वस ॥ ॐ दमन्याय नमः स्वाहा ॥
धनित्वस ॥ ॐ वन्द्यस्य नमः स्वाहा ॥ ॐ वन्द्यस्य नमः स्वाहा ॥
मः स्वाहा ॥ वन्द्यस्य नमः स्वाहा ॥ ॐ वन्द्यस्य नमः स्वाहा ॥ कृत
यात्राय नमः स्वाहा ॥ ॐ वन्द्यस्य नमः स्वाहा ॥ ० ॥ यंत्राय
नमः स्वाहा ॥ ० ॥ ॐ नमः वन्द्यस्य नमः स्वाहा ॥ यंत्राय नमः स्वाहा ॥
॥ स्वायम्भुवत्पुत्राय नमः स्वाहा ॥ ॐ ॥ थनित्वस ॥
धूप ॥ गन्धवन ॥ याद्यादि ॥ ० ॥ ॐ वन्द्यस्य नमः स्वाहा ॥

ॐ कृष्णवनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ देव्याय नमः स्वाहा ॥ ॐ विष्णवे
नमः स्वाहा ॥ ॐ रुद्राय नमः स्वाहा ॥ ॐ गरुडाय नमः स्वाहा ॥ १४
कूर्तिकनागलाजाय नमः स्वाहा ॥ वधवासयुजय स्वाहा ॥ ० ॥ यथा
तुति ॥ ० ॥ ॐ विष्णुविश्वामवनाला ॥ न कालविजसं हवा ॥ स्वा
युधविद्युतार्णव ॥ नमः नगरधवा रुति ॥ ० ॥ धनवानाहिया
न ॥ धूप ॥ गुग्गुलि ॥ ० ॥ याद्यादि ॥ ॐ विनवन्दुर्हत्तवाय नमः
ॐ विनवनाय स्वाहा ॥ ॐ देवमन्त्राय नमः स्वाहा ॥ ॐ ॥

ॐ वात्राहिय नमः स्वाहा ॥ ॐ रुद्राय वात्राहिय नमः स्वाहा ॥ ॐ कान
लपिनमः स्वाहा ॥ ॐ मरिचाय नमः स्वाहा ॥ ॐ पुष्पनागताजाय
नमः स्वाहा ॥ वरुणाय वात्रायुजय ॥ ० ॥ यथायुक्तानयुजा ॥ तुति
॥ ० ॥ ॐ वात्राहि ॥ लकृवनाला ॥ न कावृजहवा स्वायुधवन्दुयार्ण
वनमः रु ॥ मरिचवा रुति ॥ ॐ ॥ धनगन्धसयात ॥ धूप ॥ गुग्गु
लि ॥ ० ॥ याद्यादि ॥ ० ॥ ॐ गन्धसनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ गन्धधियन
नमः स्वाहा ॥ ॐ गन्धपुत्रिपुत्रिताय नमः स्वाहा ॥ ॐ गन्धपुत्रिजिदं

नुकात्रायनमस्वाहा ॥ ० ॥ ॐ विग. हासत्राय ह सर्वयत्रमंदव
काजसिद्धिविनायक ॥ लस्मिन्मन ॥ नमामिह ॥ ८ ॥ थनकुमव
हात्रयात ॥ धूय ॥ गुगुत्रि ॥ याद्यादि ॥ ० ॥ ॐ नमः ॥ कुमात्राय न
मस्वाहा ॥ ॐ यिनव क्षयनमस्वाहा ॥ ॐ यिनवकुनम ॥ ॐ यि
गुयुयनमा ॥ ० ॥ यं चायु हात्रयुजा ॥ गुति ॥ ६ ॥ थनकुमात्र
वामुदायत ॥ धूय ॥ निय ॥ ७ ॥ याद्यादि निये ॥ ० ॥ ॐ कात्र
वकु हिलवायनमस्वाहा ॥ त्रकव क्षयनस्वाहा ॥ ८ ॥ मत्रयु

गुधत्रायनमस्वाहा ॥ ९ ॥ ॐ वामुदायनमस्वाहा ॥ ॐ हुरुठ वा
मुदायनमस्वाहा ॥ ॐ कात्र लु यिनमस्वाहा ॥ ॐ जनकुनागला
जायनमस्वाहा ॥ ० ॥ यं चायु हात्रयुजा गुति ॥ ० ॥ ॐ वामुडा
लकन क्षयकात्रविज हं हवास्वायुषा वदयानव ॥ नमस्
युगवैवाहीनि ॥ १० ॥ थनवाद्यिनियान ॥ धूय ॥ गुगुत्रि
॥ याद्यादि ॥ ११ ॥ ॐ वाद्यिनियनमस्वाहा ॥ ॐ हनव क्षयनम
स्वाहा ॥ ॐ हनयुयनमस्वाहा ॥ यं चायु हात्रयुजा गुति ॥ ० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ बुद्धाय नमो हस्तवि ॥ लूदाय नमो ॥ ब्रह्म
वाहनि ॥ विष्णुर्विद्वन्मामिह ॥ वात्राहि च नद्या लि ॥ वाग्मंडा
॥ जनिहियम ॥ निलवर्गुमिरात्रि ॥ हेलवर्गुमिरात्रि ॥ स
र्वकुमानसाधक ॥ जागर्मर्ल ॥ मरुतागि ॥ हेलविस्त्रियरुग
थ ॥ वहुवर्गुमिरात्रि ॥ नमस्तु सर्वजात्रिनि ॥ ॐ ॥ थनस
यधमस्तु ॥ जयमा ॥ ० ॥ थुतिक्ताकक्यायुजाविधिर्ल ॥ भुव
॥ ॐ ॥ थनक्ताकक्यायुजा ॥ कुनयुताक ॥ नयकथ ॥ ० ॥ कथ

सदाह ॥ झाह ॥ ० ॥ उक्तनाम ॥ नाय ॥ हेलवर्गुमिरात्रि ॥ वक्र
यनि ॥ झाह ॥ हेलव ॥ झाह ॥ मरुस्त्रि ॥ नायुव ॥ हेलव
॥ सियुव ॥ मरुतात्रि ॥ नायुव ॥ इदायात्रि ॥ झाह ॥ सिंधि
नि ॥ नायुव ॥ कुनयात्रि ॥ कुनयुताक ॥ सकर्गयद ॥
उदाह ॥ नाय ॥ थुतिक्ताकक्यायुजा ॥ नयकथ ॥ ॐ ॥
थनत्रि ॥ ववयात्रि ॥ नयकथ ॥ थुता ॥ ० ॥ कुक्ताकक्यायुजा ॥

कामु ॥ हे लव ॥ यितवर्ध ॥ ० ॥ वृन्दाय नि ॥ यितवर्ध ॥
हे तव हा क ॥ ० ॥ विष्णु व ॥ वा दू ॥ हे लव ॥ यितवर्ध ॥ ० ॥ वा न
हि ॥ त क व र्ध ॥ ० ॥ ग न स ॥ ना य ॥ ० ॥ क म वा हा न ॥ ल क व
र्ध ॥ हे लव ॥ त क व र्ध ॥ ० ॥ वा मृ द्वा ॥ त क व र्ध ॥ या यि नि
॥ त क व र्ध ॥ कु न या त ॥ ल व न ॥ हा क ॥ ० ॥ मा न व ॥ ना य व
ध ना वा क न स ॥ मा हा त सि ॥ ना य ॥ व व स ॥ यितवर्ध ॥ ज व

ज ॥ त क व र्ध ॥ ० ॥ कु न या त ॥ दि य व न त स ॥ ना य ॥ ० ॥ यि थ
वा य स ॥ सु यु क न स ॥ ग न स ॥ ना य व ॥ क्का दू ॥ क्का रु ॥ ० ॥ य
व स ॥ मा हा या त ॥ ना य ॥ द डि न स ॥ क्का रु ॥ ० ॥ थु नि क
न क या त ॥ क न यु ग क न य क थ न ॥ ० ॥ ॥ उ न म शी व ज स र्वा
या ॥ ० ॥ गु ना श गु क्क ॥ थि थ न ॥ ॥ थ न ॥ स ख त र ख न हा य ॥ ॥ उ र
दु ना हा य द द न स हा ॥ या न कु ल य त्रि क्क स हा ॥ दु य र वि दि न य
॥ र्द ल र्द ल र्द ॥ व ज न म थि थ ना या य ॥ ॥ उ म द नि व जि त

हव ॥ वज्रवधनदं ॥ यन ॥ गुह्यानां जघिथानयाय ॥ ॐ श्री वज्र
संज्ञा ॥ १ यन कुम्भासनयाय ॥ ॐ ॐ म म रु कृ ष्या ॥ दिवायु वि
ना ॥ बुद्ध दवना ॥ वृद्ध दम ॥ सर्व दयना ॥ विथिविजागुदनाय ॥
ॐ सर्वविद्याय ॥ अग्निं कुरु ॥ दानयुग्मिजं मानस्य ॥ सर्वविधिहृत् १ ॥
स्वरा ॥ यन ॥ लोकयात्रया ॥ स्वानवाय ॥ ॐ ॐ डाय स्वाहा ॥ आदि ॥
॥ यथायुक्तानयुगा तु ॥ ॐ ॐ ॐ नृनं शुनयुग्मिजीव ॥ वज्ररुक्मामरु
वर्त् ॥ सर्वजगत्त्रिपदव ॥ नमो ॐ डाय नमो ॥ १ ॥ नित्रकाय

महागज ॥ महिखायुत्रिसंथिनं ॥ जर्मदं दकुलं धार्य ॥ श्रीकृष्णकं न
मामिदं ॥ १ ॥ सुषरुहिकसंकाभं ॥ सफनागवृत्तं विनं ॥ कं कनम
निकनधर ॥ वदुनायनमातुक्त ॥ १० ॥ शुत्रकायमहागज ॥ दन
कावनसंति हव ॥ असल्लुधयुदाता मि ॥ कुवतायनमा सुक्त ॥
॥ ५ ॥ सूत्रयानि त्रिननं व ॥ शुक्रवर्द्धं महालंग ॥ सदाकथान
कात्री ला ॥ त्रियननं कं नमामिदं ॥ ७ ॥ द्वादसादिव ॥ महागजकं ॥ सु
शायनकनधन ॥ वामदकमलुधार्य ॥ अनासुनं ॥ नमो सुक्त ॥ ७ ॥

॥ उँ नादाव भूमि काय ॥ हाता रतन ॥ रुखि ना ॥ वरुया संधल वन
युगु सन ॥ नमस्तु न ॥ ॥ युगु हल कयु नाह ॥ सुनदव ॥ महावन ॥
वचल वयु नदव ॥ मगु अरु धन मास्तु न ॥ ७ ॥ धन ॥ कास्तु कसधन ॥ ०
॥ धन ॥ वाक ॥ ० ॥ वृधवाया तु सर्व ॥ गइ नू जिन शुग ॥ दवना हि
नयु अन्या ॥ वृकाद्या ना कया न्या ॥ अस्तु धन व लद विस्त ॥ दवना हि
संस्था ना ॥ सी गु कल्या न विना ॥ सुकजन युनि ॥ गान लरु थि वि ॥ युजा ग
क्रमु ॥ सागि वि वि न १ रुद्रा जा ग न ज ॥ धन सिग न ॥ प्रिय व ॥ सक म

म्हा ॥ ॥ यंधायु रान युजा तु ॥ धन ॥ सि मि दान ॥ याव क ॥ यि ना ग
हायु न ॥ याव क ॥ नियू रुगा अ गि ना न नया य ॥ नियू दका य ॥ धन
नि ना जन ॥ ० ॥ उँ आख रु ना हाय दं स्वाहा ॥ ॥ सुस्ति वा क न ॥ सि
मि इ गिन ॥ ॥ ॥ उँ हल १ रु द ॥ धन ॥ धन ॥ उँ जा द ग न क रि ना
॥ अ गि म ध य का न रं यु र्म मा लं य ॥ गु इ य त्रि लं जा रं ॥ ठि क ज वि म रु न
लं का न र व ॥ यि ग व र्म ॥ मि क म्भ र्व ॥ वरु रु उँ ॥ वाम्भ दं रु क मं रु न
ध लं ॥ स द्य व न दा ॥ अ ह मा ला धु रं ॥ यि गा व ना न ॥ रु र्व न ॥ उँ

वृत्तिर्न ॥ श्री न्यकु जगाम कुरु अत्रिर्न ॥ वृत्तसत्त्वा र्ने कर्तु ॥ मालिर्न सम
याजग्नी विलय ॥ नृदिमहा हन ॥ देव निविड संकम ॥ वृदि त्वा
दृति ॥ माला नृज ॥ मस निहिल हव ॥ स्वाहा ॥ ॐ न न्यन फाना जि
मावा द्यु र्द ॥ उजा र्द र्द न किजु र्द २ उकि ना उ म्हा ॥ ० ॥ शु ग नी ना ज
न ॥ थन कु ग ल र्व न हा य ॥ ० ॥ उज ॥ च न्य य अ द्या दिय वि कु वि व ॥
माला जय र्व य कु व वा रु ना य ॥ दि स्य र्ज र्द र्द व हा ॥ समय त्व हा ॥ सा गि स्व सि
स्वा हा ॥ थन ॥ संख न व न हा य ॥ उ व ज ल रु र्द ॥ प्रा न र्जु र्द य गि कु स्वा हा

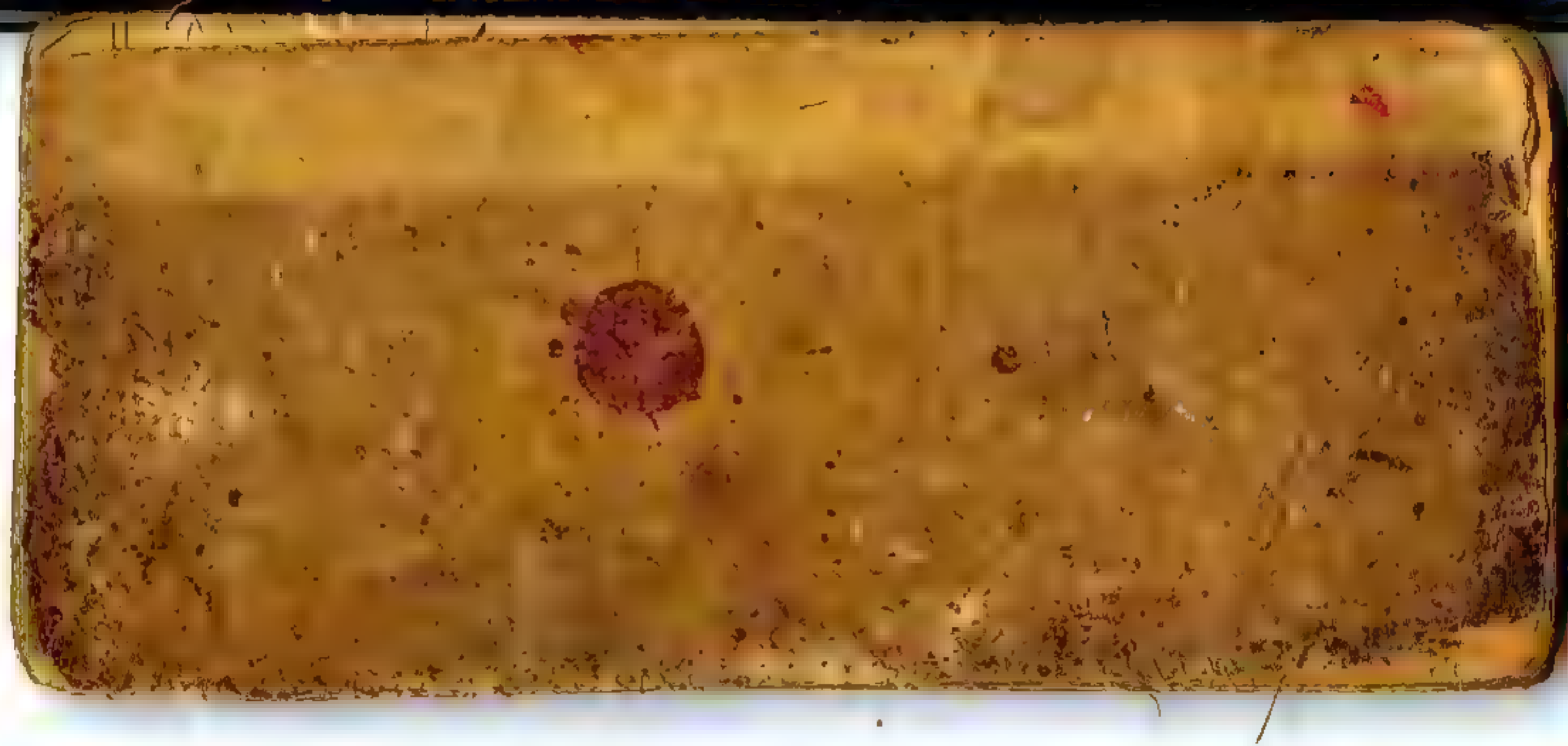
॥ थन ज ज च ॥ उज ॥ ज न य न व ल स न का ना य ॥ अ र्च न मा ॥ ॥ थन यु ज
य ॥ उज ॥ ज न य न व ल ॥ स न का ना य ॥ या द यु ति क स्वा हा ॥ ॥ थन आ व म न
॥ ज ॥ ग र य ॥ य द व न स न का ला य ॥ आ व म न य गि कु स्वा हा ॥ उ व ज न रु ज
॥ ० ॥ उ गि म न्य न स मा ॥ ग र्ज यु व स य ॥ ० ॥ थन ॥ र्य व सृ ग ध न हा य ॥ उ स
व रु थ ग न का या वि ग्ध ध न म स्वा हा ॥ थन ॥ वा रु य जा ॥ जा ॥ या ॥ य जा
॥ य ॥ वा ॥ रु ॥ थन म न ग य न ॥ ध्यान ॥ उ विल न दू ध वि व दि ॥ स क न
र त्रि ला ॥ ना स या नि दि न कु मे ग य ॥ वा र ल यु ॥ सि त सि व न न र्द ॥ मे र द

धा धं ॥ व ग म ॥ य म सि दं ड लू यं ॥ क न लि न व दं वं ॥ व डि न हि म ना
दं ॥ ठि क्क न क्क न लू यं ॥ नि हि न ह व ह यं ॥ यं व म्मु नि न मा मि दं ॥ ० ॥
थ न ॥ ध न कू य ॥ मं तु ॥ ध व क सं क अं र्व लं र व न दाय ॥ वि न सि ध त न
ठि व क ॥ जा य न ध न कू य ॥ मं तु ॥ उं ग्रा व ज स ल आ ॥ १ ॥ ध न ॥ स क
ल दाय ॥ कू ण ध न न दाय ॥ ० ॥ उं अ ॥ ख द ॥ ध न ॥ स वि धि दाय ॥
॥ उं आ ॥ १ ॥ ख द ॥ ध न ॥ व दि दाय ॥ स स मं ग न वा वा ॥ ० ॥ ध न
ज न मा न ध न स र्वां का स व क ॥ अ थ ॥ यु नि वि दू स मा ध र्मा ॥ न्या

दि ॥ ० ॥ ^२ उं ग्रा ^२ ग्रा ^२ नि सं ^२ ध न ॥ ग्रा म ग्रा यं न न थ ॥ जा न ना म यु न
या मि ॥ दू दा कु र्म म व व ॥ व ग्रा द अ स मा व रु ॥ यु नि ग्रा रु ना नि कु र्म
नि ॥ न न द स कि या जा ग ॥ नि धि र्म ना यि न द थ ॥ तु ना अ ग्नि मू र व लं
का ल न ज व द न ॥ यु र्मा न ॥ स कू व डि वि व ॥ जा ग्रा ह न त रि न स व न ॥
व डि स र व व द ॥ स मं ग न ॥ नि स य ना रु ति ॥ दू द्या ॥ १ ॥ मं तु ॥ उं अ ॥ ग्न य
खा द ॥ दू न ॥ ३ ॥ उं अ का य स ॥ अ क ति ॥ उं व ज स मा य स द ॥ य न
स ति ॥ उं व ज अं ग ना य स द ॥ स द न सि ॥ उं व ज वृ क्ष य स द ॥ ० ॥

जयामागैसि ॥ उँ वज्रकयनाय स्वाहा ॥ वल्लसि ॥ युषसि ॥ उँ वज्र
जङ्गलाय स्वाहा ॥ उँ उर्वरसि ॥ उँ वज्रसुनिधनाय स्वाहा ॥ संभ्रानसि ॥ वा
धिवृत्ताय स्वाहा ॥ जस्यसि ॥ उँ वज्रनगाय स्वाहा ॥ युक्तसि ॥ उँ वज्र
विद्याय स्वाहा ॥ वज्रगहनसि ॥ उँ मधुनाय स्वाहा ॥ मधुनसि ॥ जम्भ
काय स्वाहा ॥ जस्यसि ॥ उँ सर्वपापसुमनाय स्वाहा ॥ वैकं कसि ॥
उँ वज्रसुकाय स्वाहा ॥ जम्भसि ॥ उँ सर्वकुम्भयसमाय स्वाहा ॥ कं
दवसि ॥ उँ सर्वकुम्भयसमानाय स्वाहा ॥ गंशालिसि ॥ उँ जयुनि

दिग्वज्राय स्वाहा ॥ कृष्ण ॥ उँ वज्रायुक्ताय स्वाहा ॥ इर्वीकंद ॥ उँ स
र्वपापदहनवज्राय स्वाहा ॥ उँ सर्वपापदहनवज्राय स्वाहा ॥ किलाना ॥ उँ
वज्रयाय स्वाहा ॥ जखंडगहनाना ॥ उँ वज्रयगाय स्वाहा ॥ जवाना ॥
उँ वज्रयसमनाय स्वाहा ॥ सातिष्काना ॥ उँ वज्रविजाराय स्वाहा ॥ क्षान्ता
ना ॥ उँ मरुताय स्वाहा ॥ मायाना ॥ उँ मरुताय स्वाहा ॥ निल
माना ॥ उँ वज्रकनाय स्वाहा ॥ कनालव ॥ उँ वज्रमगाय स्वाहा ॥ क
मूना ॥ उँ वज्रकमाय स्वाहा ॥ कनथ ॥ उँ सर्वविजाराय स्वाहा ॥ ॥



* पृष्ठिकाकृतः ।

हृदि ॥ युनमास ॥ ॐ वज्रजाय स्वाहा ॥ गाय ॥ ॐ सर्वथसि
द्विय स्वाहा ॥ नृयुका ॥ युनका ॥ ॐ सर्वं वद स्वाहा ॥ दृतीया ॥ धरि
जा ॥ ॐ वज्र प्रियं नमाय स्वाहा ॥ ययं जु ॥ कृष्णमानी ॥ ॐ आवज दस
न हृताय स्वाहा ॥ कात्रसि ॥ वयलसि ॥ ॐ जनव्यागि नयन रुतु बा ॥
थन ॥ जज्जि सिमा विय ॥ ॐ वज्रसत्त्व आद्या गय २ स्वधय २ हूं र स्वाहा ॥
थन ॥ युथमादु गिविय ॥ ॐ क्लानादु गियु ॥ थन ॥ ध्यान ॥ उगावृक्षना
यमं नृदि कं कृत्वा ॥ लोक उत ॥ क्लान गिविराव ॥ दानां काला ॥

[illegible]

सथियक ॥ सूतान ॥ ० ॥ यंक यरुतयूजातु ॥ उयन ॥ जधमा
॥ ॐ ॥ थन ॥ कदा वि कमात्रसा दवयूजा ॥ अथवा ॥ मात्रसा
॥ दवयुषिस्मायाय ॥ दवयूजायास्य रुय ॥ विहिदय ॥ नवकु
इय ॥ थुति धूनकाव ॥ दवयाग ॥ जायु निविय ॥ थन त्रिवसूतान
दवथियक ॥ थयानिवमा लावनिविय ॥ अथवा ॥ दिगुवनि
विय ॥ ४ कज वि न मात्रसा ॥ कुा धवनिविय ॥ ॐ ॥ उधननि

धननि ॥ युर्थसनि ॥ युहंजनि ॥ विधमनि ॥ कियूतूक ॥ अकन
सात्रथि ॥ सात्रवनि ॥ अत्रधल ॥ सूतधातनि ॥ अत्रधनन ॥ द्याव
वनि ॥ सात्रवनि ॥ अत्राः गुसाकं लुदानयय ॥ युर्वस्यायां दिशि स्वा
हा ॥ १ ॥ थन दक्षिणस ॥ उसातिहालवनि ॥ कौतिकात्रवनि ॥ कि
कं सिक्कित्रिय ॥ किवनि ॥ धयुनि ॥ वधनी ॥ हूमिधननि ॥ हिम
वनि ॥ जानिवनन ॥ मात्राः यु ॥ सानिस्वलांनु ॥ दक्षिणस्यायां दि
शि स्वाहा ॥ ० ॥ थन यु दिमयाग ॥ ० ॥ उधर्मवर्तायवत्रवनि

वित्र निवि सान ग ॥ विवसि लासन ॥ खनक यिल ॥ वंडा त्रि नित्र नि
॥ विना जिनि ॥ वि कालिनि ॥ वं र्द्व नि ॥ सानि स र्क ल ॥ दान युग्
य किम स्यां दि सि सार ॥ ॥ धन उं कृत याग ॥ ॥ उं ख ग व गु ग ह
॥ विव वन ॥ व क ता ज न्य ॥ वं द व यु ल ॥ ह म यु र्द्व क ॥ ख नौ ग्य
॥ कृ नि क ली ग्य ॥ न का कि ॥ वृ ण व नि ॥ वि न का मि ॥ सानि स र्क ल
दान युक्त ॥ उं त स्यां दि सि सार ॥ ० ॥ धन ॥ वि दि ग याग ॥ ४ उं व
कृ व म व क स ल ॥ व ज व ज द्या कृ व ज धन ॥ कृ त सार ॥ अ व

ल ॥ अत्र नि वृ ख नि ॥ अत्र नि द व नि ॥ सु ख ना व्य या न ॥ सानि
स र्क ल ॥ न युक्त ॥ दि ग वि दि ग स्या या दि सि सार ४ ॥ ० ॥ यं
वा यु हान यु जा तु ॥ धन ॥ स म य ध म ग ॥ ना य ॥ उं ध मा ॥ धन ॥
क द वि न ॥ कृ ष व त्रि मा त सा ॥ ० ॥ स र्क ल या ग ॥ ० ॥ उं आ ४
हं ना ग का ॥ व द्रु सु र्ध म र्ध ल ॥ वृ ध वृ द्रु यु नि ॥ शु कृ ह नि ४
न ॥ ला द्रु क र्द्व ॥ उ म्मा दि ॥ स यु त्रि वा ल ह्यी द्रु न र्ध व ॥ द व ना ग ज
कृ ॥ गं ध वा शु न ग लू उ कि न र ॥ स र्क ल ग दि ह्यी ॥ वृ मं व नि ॥

गृह २ दृष्ट स्वाहा ॥ ० ॥ धन ॥ जवस ॥ ॐ धि नित्र जिमूठ स का
स ॥ धान इह ॥ रुयानक ॥ उद्धक स विद्रुयाक ॥ अग यात्र वृहद
दनई २ नृद हिमहा वलिय निगृह १ दह १ यंव १ ख १ वाहि २
दृज १ विद्युते नव नयन ॥ वत्रियुति ॥ गृह १ धि दृष्ट स्वाहा ॥
॥ ॥ धन ॥ विनायक यात ॥ ॐ विद्या न काय ॥ मा हा को धा ॥ मा
हा वि कुम १ ० ॥ मवत्रि गृह १ खख १ स्वाहि ॥ मम सर्व विद्यीना
॥ कृदय १ हृद १ इतं दह १ यंव १ मध्या १ विद्यीना न कर्तुं दृष्ट

स्वाहा ॥ ० ॥ यं यं यं यं यं यं यं ॥ समय ॥ धन ॥ मर ॥ ना
य ॥ ॥ धन ॥ शिवा ॥ लखय ॥ निनीजन ॥ मगरु ॥ नात्रवा ॥ खगु
न ॥ युर्यग ॥ हिरुल्य ॥ लख धन थस्य ॥ ४ ज हूं मंड ल डाय
क ॥ इत रुयाव ॥ ० ॥ धन ॥ निवीन दका वृय ॥ ५ ॥ खलिक
अथ यनाया ईक ॥ ॥ सखलं वन हाय ॥ ॥ ॐ खं मुत्रा हा
य १ दृष्ट स्वाहा ॥ सर्व यायु विस्व धन स्वाहा ॥ धाक नं यु नि कृ स्वा
हा ॥ यंव यु हा यु जातुगी ॥ ॥ धन यंव न त्रु थन्य ॥ द्या दू

या न न ॥ वासन क ॥ कुर्ल युगा क ॥ द्वा दू न ॥ अद्वा न दू ॥
द्वा दू न ॥ उजम ॥ द्वा दू न य ॥ थन ॥ द्वा दू न य ॥ थन वा क
या य ॥ उद्वा न म व ॥ उद्वा न सर्व शुन्य ना क लून रु व ॥ रु द्वा दू
गति धु न ॥ रु द्वा दू न म वान य ॥ उद्वा न य १ स्वध य ॥ व १
ध य १ स्वध या यु वि शु ध य स्वा हा ॥ थन ॥ मं नु ॥ उद्वा न लं न वं
जा नं स क धा नु ॥ म म्वा ल्मा न हा व य नु ॥ थन ॥ वज न थिय ॥
उद्वा न ॥ थन ॥ निना जन या य ॥ म न रु ना न वा ॥ सि द्वा न दू य

॥ सर्व ल व न हा य ॥ उद्वा नं क रं यु ति क्वा हा ॥ ॥ यं वा मि न न
॥ हा य ॥ थन ॥ मं नु स नान ॥ यं व व न क न ॥ अ नान ॥ यं व स न
थन ॥ स नान ॥ थन ॥ यं वा यु हा न य नु ॥ अद्वा न न य ॥ द्वा दू
का यु न न य ॥ थन ॥ त्रि ॥ अ क ल्मा स न ॥ जा यु य क ॥ उजमान यु र
गी न ॥ शु व र्ण द वि ना न य क ॥ स्व क्त क रं नि न य ॥ थन ॥ यं
व जा ॥ जि थ यु न या य ॥ ४ थन ॥ सि ध न मा हा नि ॥ का का य ॥ जा
ग न न य ॥ गु न्द य हि नि न ॥ ति य क ॥ यं व जां डा कि नि ॥ ७ थन

य नि॥ त्रिवक् ॥ धूनडाव ॥ धन ॥ गान्ध्याय ॥ गुरुनयमन
व ॥ धन ॥ यं वज्रकि नि॥ संखनवनकाय ॥ ॥ जाय खाननक
वक ॥ खानवायक ॥ ॥ धन ॥ यं वयुकात्रयुजातु नि॥ धन ॥
किं गनजानकं गय ॥ धन ॥ यं वधना ॥ खव फ्राय ॥ गुरुस्य
सिनादुगियाय ॥ ॥ खत्रिवाकयुहिनिन ॥ ० ॥ ॥ गगनग
गन ॥ विनाकु ॥ ॥ नजात्राय ॥ ऊजमानस्य ॥ साक्षा संद
कामनाथ ॥ श्रीम नशी १ अमकदवता ॥ हगलकस्य ॥ ० ॥ यू

वसंकुर्ष्य ॥ सिनादुनि ॥ ऊजनि मि निथ ४ खगद्र २ रुद्रया
० स्वसी ॥ ० ॥ गीतक्य ॥ नाकूनदय १०७ ॥ धन विद्वय
यं वधनाकायक ॥ धूनकाव ॥ नगवा ॥ खदानयाव ॥ आदुनी
विय ॥ यं वायुकात्रयुजा ॥ ७ ॥ ॥ युन ॥ धनयं कया उद्राय
४ ॥ यं वसात्रिदयः कजायुन ॥ ० ॥ विद्वयं क ॥ ४ यं वसात्रिन
॥ आदुनिवय ॥ ० ॥ यं वयुकात्रयुजा ॥ ७ ॥ ॥ युन ॥ धन
॥ थाया ॥ अनल्लयुन ॥ खयाव ॥ यं कसालि ॥ दिनक ॥ ० ॥

समस्त धून काव ॥ त्रिकायना ॥ धून काव ॥ धन ॥ यंद का कि
नि ॥ अयं सन्यास ॥ मधुन थित के ॥ यंद यु हा यूजा ॥ कु
॥ यंद का कि निय नि ॥ निताजन ॥ दाना नान लय ॥ वि स
जन याव के ॥ धन यं धुन जाय य के ॥ सिध का दय ॥ क
जाय न वि हि दय ॥ कुजा य न द हि दय ॥ सि का द वि दय ॥ सि द
थिय के सान ॥ अ गि स ॥ सि द न दय ॥ सि द य नि स क न य
॥ धन ॥ वजन का विय ॥ धन सि का द वि दय ॥ धून काव ॥ ० ॥

धन मूत्र यू ॥ धन ॥ समय ॥ धन ॥ गाय ॥ वम ध ॥ अद वा
न ॥ न स्य मूत्र यू ॥ ख नि वा क ॥ ॥ धन ॥ धन लिग काय ॥
धन ॥ य नि वा न यूजा ॥ धन द गु नि व लि दय ॥ धन जज मान
मधुन थित के वा ॥ खान वाय के ॥ कि न न के न के थु नि धून का
व ॥ गुन यूजा ॥ वरु काय ॥ द रु ना ॥ स वा रु न ॥ धन कु
सा हि रु क न य का व ॥ ख ग्वन ॥ आ सि वा द ॥ धन ॥ कु जा य न
वि हि दय ॥ सि द्या द वि दय ॥ धन ॥ व स जन ॥ धन मा दा व

सी ॥ अक्रदानयुक्ति ॥ यथिग्वयुत्रमस्वत ॥ दवदवियाकइल
 सी ॥ अहमंगनयदाथइतसी ॥ सिताहृतिऊरु ॥ खयावयाधक
 ॥ युगात्रमददाव ॥ जनाधियुतिनागनाजाया ॥ हृदन ॥ महा
 लसंइतसीनिक ॥ करुन ॥ यूनवात्रख ॥ कठावइतसी ॥ थ
 म्मडात्रयुतियाग ॥ आसिखाविहृन ॥ थूतियायूनयायुहावन ॥
 श्री ३ माहात्राजाधिराज ॥ अहमंगन ॥ दानयुतिया ॥ अहकन्यान
 ॥ ० ॥ ॐ ॥

कण्डर्वा ॥ नृकिरिती ॥ गुना
 स्तान ॥ ० ॥ धृयविषिदयक ॥
 जगमास ॥ धृगुति ॥ नकन
 रंइत ॥ अंगुति ॥ नकि
 ॥ श्री ३ ॥ धृयास ॥ अत्रवे
 इत ॥ व्यात्रमृद ॥ वसिगुति ॥
 यवहृगध ॥ कलुति ॥ कस
 नला ॥ गथवन ॥ ककुम ॥
 छित ॥ वात्रविन ॥ निव ॥ ० ॥
 माकसिन्दिदयकविषि ॥
 जिनहात्र ॥ धयगुति ॥ यना ॥
 ज्यव ॥ विसिगुवा ॥ सुकुम्वा
 न ॥ नैवेलाव ॥ ज्यम ॥ नात्रि
 कात्र ॥ नवद ॥ जगकास ॥
 धुकिमाकसिन्दिविषि ॥ अह
 ॥ ॐ ॥

॥ गायुस्वान ॥ यत्र स्वान ॥ ० ॥
 वृजमरुकात्र ॥ रुकु ॥ अहना
 निस्वान ॥ ० ॥ भिदिनि ॥ गायु ॥
 कुयिस्वान ॥ ० ॥ देवयात्र ॥ गो
 युद्धाक्षत्रस्वान ॥ ० ॥ रुगयात्र
 यात्र ॥ गायुव ॥ युदात्रस्वान ॥
 थमिजवया ॥ कथनेरु ॥ ० ॥
 थनत्रिव ॥ रवदयात्र ॥ कथनय
 ॥ ० ॥ रुकननात्र ॥ द्वा ॥ ० ॥ जिनि
 स्वान ॥ ० ॥ द्यात्रर्कुहेनव ॥ ० ॥
 ०० दायनियत्र ॥ वयस्वान ॥
 रुमिसिनिस्वान ॥ ० ॥ वित्रर्कु
 हेनवयात्र ॥ रुकु ॥ जस्यसा
 न ॥ ० ॥ विष्कुविद्यात्र ॥ कायवृ
 निस्वान ॥ ० ॥ विजर्कुहेनव ॥
 नयात्र ॥ यिकवर्ध ॥ स्वान ॥ का
 नाथस्वान ॥ ० ॥ दात्रादियात्र ॥
 जिगहानस्वान ॥ ० ॥ गान्यसयात्र
 कर्सेस्वान ॥ ० ॥ कुमनवावाकान

याव ॥ ० ॥ कुनस्वान ॥ ० ॥ का
 लर्कुहेनवयात्र ॥ रुकु ॥ ज
 रुनिस्वान ॥ ० ॥ दाम्भुकाया
 तस्वान ॥ नगुस्वान ॥ ० ॥ वादि
 नियानस्वान ॥ कुयिस्वान ॥ ० ॥
 इवात्रयात्रयात्र ॥ नगुस्वान ॥
 ॥ ० ॥ थमिदवयात्र ॥ स्वानदय
 क ॥ यात्र ॥ कथनेरु ॥ ० ॥
 रुह ॥ ० ॥ सिसादयकविधि
 ॥ कनेघत्रसि ॥ किमिसि ॥ ०
 वाकुसि ॥ नवसि ॥ जयसि ॥
 ॥ नात्रिकाल ॥ मधुकात्रसि ॥
 ॥ मत्रसि ॥ नवत्रवृसि ॥ वाका
 त्रसि ॥ सुमिगात्रासि ॥ नानसि
 ॥ म्वाव ॥ जयसि ॥ नवृस्य ॥
 रुत्रद ॥ म ॥ अवात्रि ॥ ० ॥
 स्वानदयविधि ॥ द्वा ॥ ० ॥
 कायगुनिस्वान ॥ जिगहान
 न ॥ कोत्रनस्य ॥ अजर्कुत्रिस्वो ॥

प्रवदसि॥भाकसिनि॥नव
 डा॥०॥कात्रयकुहेनव॥स्व
 कवन॥वास्तु॥कक्ष्यना
 क॥आहु॥धूय॥निय॥स्वान
 ॥डहात्र॥स्वान॥तुहुमि॥हा
 मल॥मधि॥मथा॥सिसा॥रुनद
 ॥भाकसिनि॥यत्र॥स्वान॥अ
 ऊरुनिस्वान॥०॥वाचिनि
 ग॥कक्ष्यनाक॥आहु॥रु
 गुमि॥वाकु॥सिसा॥अवात्रि
 ॥म्वावा॥भाकसिनि॥रयत्र॥
 धूय॥नुव्युत्रि॥०॥थननि
 व॥कायएत्र॥मानका॥जास
 नखदिमानका॥अनुनिमानका
 ॥निसनाव॥मानका॥०॥धूय
 डरु॥मानका॥कटाद्यान॥मा
 नक॥मकन॥मानका॥सिसा
 धकि॥मानक॥अइवात्र॥मान
 मानका॥०॥स्वयकुण॥आहु

॥इ॥॥वाहु॥इ॥०॥हाकुइ
 १०॥गयुइ॥मानका॥कखा
 यम॥आहु॥इ॥॥वाहुइ॥
 गयुइ॥गजेनमानका॥यव
 युगाकइ॥मानका॥कक्ष्यना
 क॥मानका॥०॥॥थगिस्वा
 नदयकमा॥ल॥०॥नक्रवन्
 हेनव॥हाकुअएत्रागि॥स्वान॥
 आहु॥कोमात्रि॥कनवत्र॥स्वान॥
 सखयानयात्र॥गयुस्वान॥
 गुयुवाहात्रस्वान॥०॥वजवेरु
 हेनव॥वाहुस्वान॥प्रवनस्वान
 ॥वक्रायनि॥आहु॥स्वानकाहु
 ॥अजिनिस्वान॥०॥माहस्यत्रि॥
 गयान॥गयुस्वान॥वदस्वान॥
 ॥०॥नुकुवेहेनव॥आहुस्वान॥
 आहु॥ववनस्वान॥०॥महात्र
 सिंयात्र॥गयुव॥यानिजानस्या
 न॥०॥युर्मवेरुहेनव॥०॥

नमः ॥ ० ॥ कुंभयात्रयाग ॥
 कुंभयगाक ॥ गाय ॥ हनुमि
 वगमधि ॥ वाकमधिसकर्ण
 ॥ स्नानशयुस्नान ॥ सिसा ॥ न
 नात्रायनसि ॥ धूय ॥ जनु
 गी ॥ ॥ धनिजवस ॥ ०
 धनत्रिदा ॥ वदयाग ॥ कुकर्ण
 कनाग ॥ कुंभयगाक ॥ म्का सु ॥
 धूय ॥ उत्तरका ॥ स्नान ॥ जिनि
 स्नान ॥ हनुमि ॥ तुनि ॥ मधि ॥
 रुदि ॥ सिसा ॥ ज्मत्रसि ॥ भा
 कसिनि ॥ जागकासु ॥ ० ॥ या
 नवमुहेनव ॥ कुंभयगाक ॥
 म्का सु ॥ ० ॥ जाय ॥ म्का सु ॥
 मधि ॥ रुदि ॥ सिसा ॥ ज्मत्रसि ॥
 हनुमि ॥ कयगुनि ॥ धूय ॥ रुण्ड
 नि ॥ स्नान ॥ गहास्नान ॥ भाकसि
 नि ॥ ज्वय ॥ ० ॥ विनवेन्दुहेनव ॥
 कुंभवर्न ॥ विवृदि ॥ कुर्नय

गाक ॥ वाहु ॥ धूय ॥ गयवन ॥
 स्नान ॥ कनुनिस्नान ॥ हनुमि
 ॥ कयगुनि ॥ मधि ॥ यत्रमधि
 सिसा ॥ वाकुसि ॥ भाकसिनि
 जिगहात्र ॥ ० ॥ विनवेन्दु
 नव ॥ युनवर्ध ॥ वानाहि ॥
 कुंभयगाक ॥ म्का सु ॥ धूय ॥
 गंगुनि ॥ स्नान ॥ जिगहात्र ॥
 न ॥ हनुमि ॥ मासकान्न ॥
 मधि ॥ खनूनि ॥ सिसा ॥ ज्म
 त्रसि ॥ भाकसिनि ॥ यत्रा ॥
 गहास ॥ याग ॥ कुंभयगा
 क ॥ गायुद ॥ हनुमि ॥ वि
 मधि ॥ नद्व ॥ सिसा ॥ इद
 कत्रसि ॥ भाकसिनि ॥ शुक्रम्या
 ग ॥ स्नान ॥ कुंभस्नान ॥ ० ॥
 कुंभवात्रया ॥ कुंभयगाक ॥
 गायु ॥ हनुमि ॥ विनवन ॥
 मधि ॥ म्भुनलइवा ॥ सिसाक

ॐ नमो कामाय नमः ॥
कोषहेनव ॥ वाहु ॥
कामात्रिलकवर्ध ॥ कुन
यगाक ॥ आहु ॥ धूय ॥
जगुनि ॥ विग ॥ नकर्वडन
॥ विदिह मूग ॥ हगुनिसि
याहुकि ॥ य्याकडा ॥ मधि
॥ नइवा ॥ सिसाकनवत्रसि
॥ किमिसि ॥ माकसिनि ॥ जा
नका ॥ लवह ॥ स्वनं क
नवनस्वान ॥ ॐ ॥ असि
गगऐनव ॥ हाकु ॥ वक्रा
यनि ॥ आहु ॥ धूय ॥ धू
याह ॥ कुनयगाक ॥ आहु
॥ हगुनि ॥ वजि ॥ मधि ॥ त्रा
धि ॥ सिसा ॥ नवसि ॥ माकसि
नि ॥ न्वव ॥ स्वान ॥ निसिनिस्वान
॥ लयुस्वान ॥ धूय ॥ न कि ॥
वडहेनव ॥ नकनवर्ध ॥

माहुस्वनि ॥ कर्धयगाक ॥ गा
यु ॥ धूय ॥ कयुत ॥ हगुनि ॥
गाय ॥ मधि ॥ वाकु ॥ पुमधि ॥
सिसा ॥ नत्रिकान ॥ माकसिनि ॥
लवलाव ॥ युप्रर्वडहेन
व ॥ सियु ॥ कर्धयगाक ॥ गा
युव ॥ माहानसिया ॥ कन ॥
यगाक ॥ गायु ॥ ० ॥
कगुनाग ॥ यिनवर्ध ॥ धू
यु ॥ उसनसा ॥ मधिवयना
धि ॥ सिसा ॥ मधुक्रानसि ॥ मा
कसिनि ॥ नवड ॥ इवायान
याग ॥ कर्धयगाक ॥ आहु ॥
हगुनि ॥ वगामधि ॥ सिसा
नात्रायनसि ॥ मधि ॥ लुवि
मधि ॥ सिधिनियान ॥ क
र्धयगाक ॥ गायु ॥ हगुनि ॥
धन ॥ मधि ॥ अनिमधि ॥
सिसाक्रानसि ॥ माकसिनि ॥

भाकसिति ॥ जानझास ॥ ॥
 ध्यातर्वडहेनव ॥ सिय ॥ ००
 जायनि ॥ पुय ॥ धूय ॥ जगमा
 स ॥ रुनुनि ॥ रुनिवन ॥ मधि
 रुनि ॥ सिसा ॥ उमनस्य ॥ भाक
 सिति ॥ जातकव ॥ ॥ वाज्रदेव
 हेनव ॥ लाक ॥ विरुव ॥ दाइ ॥
 धूय ॥ नसाके ॥ रुनुनि ॥ झुव
 गमाधी ॥ मधि ॥ धातवृत्र ॥ म
 धि ॥ ससा ॥ वाकस ॥ भाकसिति
 जिनझान ॥ ॥ विजर्वडहेनव
 ॥ सिस ॥ वाना ॥ हि ॥ दाइ ॥ रुनुनि
 मास ॥ मधि ॥ खन ॥ ससा ॥ उमने
 यति ॥ भाकसिति ॥ पुत्रा ॥ ००
 नाय ॥ भाय ॥ रुनुनि ॥ वि ॥ मधि
 नदवा ॥ सिसा ॥ इदकनभ ॥ भाक
 सिति ॥ सुकन्या ॥ ॥ कमवाहन
 ॥ दाइ ॥ रुनुनि ॥ विकन ॥ मधि
 सकनइवा ॥ ससा ॥ कनेदनस

भाकसिति ॥ नदइ ॥ ॥ कानवड
 हेनव ॥ दाइ ॥ वामुडा ॥ दाइ
 ॥ धूव ॥ वात्रा ॥ रुनुनि ॥ मला
 मत्र ॥ मधि ॥ मध ॥ ससा ॥ रुन
 उ ॥ भाकसिति ॥ पुत्रा ॥ ॥
 वायिनि ॥ मास ॥ रुनुनि ॥
 वाक ॥ ससा ॥ जवात्रि ॥ खन
 खाय ॥ भाकसिति ॥ खयन
 ॥ ॥ दवायानदास ॥ दाइ
 ॥ रुनुनिवगमाधि ॥ सिसा
 नात्रायनस्य ॥ मधि ॥ नवि
 मधि ॥ ॥ धूव ॥ जगमा
 स ॥ ० ॥ ०

१॥ कोमात्रि॥ द्वाद् ॥ ऐनव॥ द्वाद् ॥ सा॥ द्वात्र॥ भाकसिनि॥ सुकम्पा
१॥ धूय॥ अमुना॥ धूय॥ वक्रन॥ केन॥ वैकुण्ठेन॥
१॥ वृद्धिः॥ नृग॥ लुगुनि॥ सिया॥ रकि॥
या॥ द्वा॥ मध्य॥ न॥ द्वा॥ ससा॥ कि॥
व॥ न॥ सा॥ भाकसिनि॥ द्वा॥ न॥
न॥ द्वा॥ ॥ म॥ स्व॥ म॥ या॥ न॥ ना॥ ग॥
गाय॥ धूय॥ धूया॥ स॥ भा॥ ध॥ ना॥
लुगुनि॥ द्वा॥ ससा॥ व॥ य॥ न॥ सि॥
॥ ॥ व॥ क्रा॥ य॥ नि॥ धू॥ न॥ य॥ व॥ द्वा॥
उ॥ ऐ॥ न॥ व॥ द्वा॥ क॥ धू॥ य॥ धू॥ या॥ स॥
लुगुनि॥ व॥ द्वा॥ म॥ धि॥ ॥ ना॥ सि॥ ॥ स॥
॥ न॥ व॥ स॥ ॥ भा॥ क॥ सि॥ नि॥ ॥ य॥ व॥ ॥ सा॥
अ॥ न॥ द्वा॥ ना॥ सा॥ न॥ ॥ ॥ न॥ द्वा॥ य॥ नि॥ ॥
ल॥ य॥ ॥ न॥ द्वा॥ वैकु॥ ऐ॥ न॥ व॥ द्वा॥
धू॥ य॥ न॥ सा॥ लुगुनि॥ ना॥ य॥ म॥ धि॥
वा॥ क॥ स॥ म॥ धि॥ ससा॥ ना॥ नि॥ कान॥ भा॥
सि॥ ना॥ ल॥ वैकु॥ द्वा॥ ॥ ॥ सा॥ ना॥ न॥
॥ क॥ म॥ व॥ न॥ ॥ य॥ म॥ वैकु॥ ऐ॥ न॥ व॥
सि॥ य॥ धू॥ स॥ क॥ म॥ म॥ धि॥ व॥ ना॥
म॥ धि॥ ॥